एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, नवमी,
गुरूवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

5 दिसंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

नहीं रहे संघ के अभिभावक शंकर बाबू

महेशपुर (पाकुड़)

महेशपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भारतीय जनसंघ पार्टी की नींव रखने वाले व संघ परिवार के अभिभावक शंकर बाबू नहीं रहे। 95 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ। शंकर बाबू के निधन की खबर पाते ही महेशपुर ही नहीं बल्कि संपूर्ण जिले के न सिर्फ संघ परिवार के बल्कि दूसरे दलों व सांप्रदाय के लोग भी उनके अंतिम दर्शन को उमड़ पड़े।

वे वर्ष 1935 में संघ के स्वयंसेवक बने और अंत तक जुड़े रहे। मूलतः बिहार के शेखपुरा के निवासी शंकर बाबू वर्षों पूर्व व्यवसाय के सिलसिले में महेशपुर आए और यहीं के होकर रह गए। उन्होंने इस इलाके में संघ के अलावा संघ परिवार के अन्य सभी संगठनों को विस्तार दिया। वे जिले में संचालित वनवासी कल्याण केन्द्र,तालवा के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। संघ के जिला संघचालक अजय कुमार दत्ता ने कहा कि हमने आज अपना अभिभावक खो दिया। उन्होंने संघ कार्य के अलावा इस पिछड़े जिले में संघ परिवार के सभी संगठनों का संरक्षण व संवर्धन किया।जब भी जो दायित्व मिला ईश्वरीय कार्य समझ कर उसका ईमानदारी से निर्वाह किया।वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अनुग्रहित प्रसाद साह, हिसाबी राय,जिप अध्यक्ष बाबूधन मुरमू, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी सुरेन्द्र भगत,फूलबाबू कोड़ा,सुखेन घोष आदि मौजूद थे।

अयोध्या को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की तैयारी

विश्व धरोहर बनने के दस में से आठ मानको को पूरा करता है अयोध्या

अयोध्या

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहरों की सूची में 'अयोध्या' शामिल हो सकती है। इसके लिए डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की ओर से एकेडमिक मुहिम चलाई गई है।

इसी मुहिम के तहत अक्तूबर 2018 में अवध विश्वविद्यालय में एशियन कल्चरल लैंड स्केप एसोसिएशन की तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। पुनः इसके अगले चरण में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन फरवरी-2020 में किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव में देश भर के विश्वविद्यालयों के विद्वान अयोध्या के सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस बारे में कुलपति प्रो. दीक्षित ने कहा कि दूसरे चरण में यूनेस्को की संस्था आईसीओएमओएस संबंधित मामले में आवश्यक विचार-विमर्श कर अपना मंतव्य प्रस्तुत करती है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2020 में कान्क्लेव आईसीओएमओएस के ही सिलसिले में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तिथि तय नहीं हो पाई है जल्द ही तिथि की घोषणा कर दी जाएगी।

कुलपति का कहना है कि वर्ल्ड हेरिटेज के लिए अयोध्या यूनेस्को की ओर से निर्धारित दस मानकों में

से आठ मानकों को पूरा करती है। ऐसे में विश्व धरोहर घोषित होने में कोई अवरोध नहीं है। इसी के चलते प्रयास शुरू किया गया है। इस प्रकरण में राज्य सरकार व भारत सरकार का प्रयास शामिल हो जाएगा तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। फिलहाल यूनेस्को की पॉलिसी के अनुसार यहां कार्य प्रगति पर है। कुलपति ने बताया कि वर्ल्ड हेरिटेज के लिए आवश्यक प्रस्ताव बनाने का काम नगर निगम का है। इसके लिए पहले नगर निगम को हेरिटेज सेल गठित करना होगा। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में उनकी वार्ता नगर निगम के आयुक्त नीरज शुक्ल से हो चुकी है। इनटैंजिबिल हेरिटेज भी घोषित कराया जा सकता है।कुलपति के अनुसार अयोध्या को वर्ल्ड हेरिटेज के साथ ही इनटैंजिबिल हेरिटेज भी घोषित कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में आयोजित होने वाला सावन झूला मेला अपने आप में यूनीक है। इस प्रकार का आयोजन दूसरे किसी स्थान पर नहीं होता। उन्होंने कहा कि सावन शुक्ल तृतीया से लेकर सावन शुक्ल पूर्णिमा तक करीब 13 दिनों तक चलने वाले इस मेला में जहां देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुगण हिस्सा लेते हैं। वहीं दूसरी ओर सभी मंदिरों में भगवान को झूले पर बैठाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रतिदिन आयोजन किया जाता है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में कथक नृत्य व शास्त्रीय संगीतज्ञों की उपस्थिति आयोजन को गरिमा प्रदान करती है।

अयोध्या को यूनेस्को के विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने को लेकर पूर्वांचल विकास मंडल के सेमिनार में भी प्रस्ताव रखा जाएगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो. सर्वेश कुमार ने बताया कि सेमिनार दस दिसंबर से विवि होगा।

कोलकत्ता में स्वयंसेवक पर हमले के विरोध में प्रदर्शन को पुलिस ने रोका

कोलकाता

कोलकत्ता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता पर घातक हमले के विरोध में आज सियालदाह स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन निर्धारित था। प्रदर्शन के पश्चात मामले की जांच की मांग करते हुए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपना था। लेकिन, ममता बनर्जी की पुलिस ने कार्यकर्ताओं को लोकतांत्रिक ढंग से विरोध भी जताने नहीं दिया। उन्हें निर्धारित स्थल पर पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया।

मटिया बुर्ज के कार्यकर्ता बीर बहादुर सिंह को गुंडा तत्वों ने गोली मार दी थी। घटना के विरोध में तथा आरोपियों की गिरफ्तारी व उन पर कार्रवाई की मांग को लेकर आज दोपहर एक बजे सियालदाह स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन रखा गया था। प्रदर्शन में भाग लेने के लिए लोग निर्धारित स्थान की ओर जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोकना व हिरासत में लेना प्रारंभ कर दिया। लोगों को जबरदस्ती गाड़ियों में बैठाया गया. उन्हें निर्धारित स्थल तक नहीं पहुंचने दिया गया. पुलिस ने मोलेली, धरमतला, एपीसी रोड पर प्रदर्शन में भाग लेने जा रहे लोगों को हिरासत में लिया. इसी बीच पुलिस कार्रवाई की जानकारी मिलने पर आचार्य प्रफुल चंद्र रॉय रोड पर एकत्रित लोगों ने घटना के विरोध में रैली निकाली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कोलकाता महानगर के कार्यकर्ता (दक्षिण पश्चिम विभाग के मटिया बुर्ज नगर कार्यवाह) विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षक बीर बहादुर सिंह (29 वर्षीय) पर सोमवार सुबह स्कूल जाते समय मस्जिद तला (थाना गार्डन रीच) के पास पीठ पीछे से दो व्यक्तियों ने गोली मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। वे होश में थे और सहायता के लिए पुकार रहे थे। घटना स्थल पर एकत्रित भीड़ में से

किसी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके पश्चात पुलिस ने उन्हें SSKM अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में उनके सीने में से गोली निकाली गई।

पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया है, जिसमें कॉंसलर रहमत आलम अंसारी तथा साहबुद्दीन अंसारी पर आरोप लगाया है। बीर बहादुर सिंह एक उत्साही युवा के रूप में मटियाबुर्ज क्षेत्र में होने वाली विविध सामाजिक और राष्ट्रीय गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं।

युवा मित्रों के साथ 4 वर्षों से 15 अगस्त व 26 जनवरी को तिरंगा यात्रा का आयोजन करते हैं। प्रारंभ से ही स्थानीय कॉंसलर व उनके चमचे यात्रा का विरोध करने के साथ ही धमकियां देते आ रहे हैं। 2 वर्ष पहले तिरंगा यात्रा पर हमला भी हुआ था, पुलिस में शिकायत की गई। लेकिन पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मात्र डायरी लॉज की, कोई कार्रवाई नहीं की।